गर्मी से संबंधित बीमारी के प्रबंधन हेतु स्वास्थ्य विभाग के दिशा-निर्देश

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य विभाग** ने राज्य में गर्मी के दौरान **गर्मी से होने वाली बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन** की तैयारियों के साथ सभी ज़िलाधिकारियों व मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किये हैं।

मुख्य बिंदु:

- [भारतीय मौसम विभाग] के अनुसार, इस गर्मी के दौरान देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से **अधिक तापमान** रहने की संभावना है, खासकर उत्तर प्रदेश के मध्य और उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में।
  - विभिन्न संस्थानों ने मार्च और मई 2024 के बीच **बीमारियों के मौसमी प्रकोप की आशंका** जताई है।
  - मार्च से मई 2024 तक देश के मध्य और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में **हीटवेव** की अधिक संभावना है।
- स्वास्थ्य विभाग गर्मी से संबंधित बीमारियों के साथ-साथ उनकी रोकथाम और प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु कार्यक्रमों की एक शृंखला आयोजित करने के लिये अंतर-विभागीय समन्वय स्थापित करेगा।
  - विभाग भीड़भाड़ वाले स्थानों पर **शीतल एवं स्वच्छ पेयजल** की व्यवस्था करेगा तथा गर्मी से बचाव के लिये आश्रय स्थल उपलब्ध कराएगा।
  - **मौसम के पूर्वानुमान और तापमान** को भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर स्थापित स्क्रीनों पर प्रदर्शित किया जाएगा, जबकि स्कूलों में **गर्मी से बचाव पर जागरूकता सत्र आयोजित किये** जाएंगे।
  - विभाग चिकित्सा अधिकारियों, पैरामेडिकल स्टाफ और फ्रंटलाइन कार्यकर्त्ताओं के प्रशिक्षण एवं जागरूकता को **प्राथमिकता देगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे इन बीमारियों की तुरंत पहचान करने एवं उनका उपचार करने के** कौशल से लैस हैं।
  - **आवश्यक दवाओं, अंतःशिरा तरल पदार्थ, आइस पैक, मौखिक पुनर्जलीकरण लवण और अन्य आवश्यक आपूर्ति** की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।
  - गर्मी से संबंधित बीमारियों और उन्हें रोकने तथा प्रबंधित करने के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के लिये **शैक्षिक सामग्री वितरित की जाएगी।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/health-department-guidelines-for-managing-heat-related-illness